

प्रो० डी०के० सिंह, अधिष्ठाता नियोजन के कक्ष में दिनांक 20 अक्टूबर, 2014 को अपरान्ह 03:00 बजे सम्पन्न विश्वविद्यालय की पर्यावरणीय परामर्शदात्री समिति बैठक का कार्यवृत्त।

बैठक में उपस्थिति निम्नवत् रही:-

1.	प्रो० डी० के० सिंह, अधिष्ठाता, नियोजन	अध्यक्ष
2.	प्रो० बी० एस० राय, अधिष्ठाता, छात्र मामले	सदस्य
3.	प्रो० के० जी० उपाध्याय, अधिष्ठाता, शैक्षणिक	सदस्य
4.	प्रो० उदय शंकर, अधिष्ठाता, शोध एवं विकास	सदस्य
5.	श्री के० पी० सिंह, कुलसचिव	सदस्य
6.	डा० गोविन्द पाण्डेय, सह आचार्य, जनपदीय अभियन्त्रण विभाग	संयोजक

कार्यवृत्त

बैठक में परिसर से सम्बन्धित पर्यावरणीय विषयों पर विचार किया गया और सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिये गये:

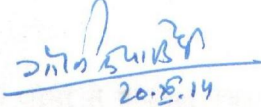
1. आगामी दिनांक 23-10-2014 को दीपावली पर्व के परिप्रेक्ष्य में यह निश्चय किया गया कि परिसर में पर्यावरण अनुकूल (इको फ्रेंडली) दीपावली मनाये जाने हेतु मिट्टी के दीये का प्रयोग, पटाखों एवं अतिशबाजी का प्रयोग न करने तथा कार्बन उत्सर्जन कम किये जाने के दृष्टिकोण से विद्युत की झालरों एवं ऊर्जा की अधिक खपत करने वाले प्रकाश संयोजन का प्रयोग न करने हेतु समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा छात्रों एवं छात्राओं के लिए एक अपील निर्गत किया जाना उचित होगा। समिति द्वारा अपील के आलेख पर अनुमोदनार्थ संस्तुति प्रदान की गयी।
2. समिति द्वारा यह सुझाव दिया गया कि विश्वविद्यालय मुख्य द्वार से छात्रावासों की ओर जाने वाली सड़कों के किनारे उपयुक्त स्थानों पर 'कूड़ादान' स्थापित कर नित्यशः कूड़ा एकत्र कराकर निस्तारण किये जाने की आवश्यकता है और इस सम्बन्ध में आगामी आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रभारी, उद्यान से अनुरोध किया गया।
3. समिति द्वारा यह सुझाव दिया गया कि छात्रावासों में टोस अपशिष्ट के समुचित निस्तारण हेतु कक्षवार कूड़ादान रखवाकर प्रत्येक विंग से टोस अपशिष्ट छात्रावास में उपयुक्त स्थानों पर रखे बड़े कूड़ादानों में एकत्र करवाये जाने एवं तदुपरान्त निस्तारण कराये जाने हेतु मुख्य वार्डेन एवं समस्त छात्रावासों के वार्डेन से अनुरोध किया गया।
4. समिति द्वारा यह सुझाव दिया गया कि पर्यावरणीय प्रेम एवं जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के मध्य एक 'छायांकन' प्रतियोगिता का आयोजन किया जाए, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक प्रतिभागी से उनके द्वारा विश्वविद्यालय परिसर से लिए गये अधिकतम तीन फोटोग्राफ की प्रविष्टियाँ प्राप्त कर निर्णायक मण्डल द्वारा समीक्षा के उपरान्त सर्वोत्कृष्ट प्रविष्टियों हेतु प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को





प्रमाण-पत्र एवं यथोचित पुरस्कार प्रदान किये जाएं। इस सम्बन्ध में प्रभारी अधिकारी, छायांकन से आवश्यक कार्यवाही किये जाने का अनुरोध किया गया।

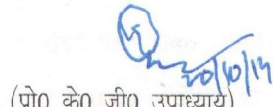
5. समिति द्वारा माननीय कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में 'विश्वविद्यालय परिसर' में 'हर्बल वाटिका' विकसित किये जाने की सार्थक पहल की सराहना की गयी एवं उनके निर्देशानुसार केन्द्रीय औषधीय एवं सगन्ध पौधा संस्थान, लखनऊ (सी मैप) से प्राप्त प्रस्ताव से सहमति व्यक्त की गयी। इस सम्बन्ध में आगामी आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रभारी, उद्यान से अनुरोध किया गया।
6. समिति द्वारा 'विश्वविद्यालय परिसर' को 'पालीथीन मुक्त क्षेत्र' घोषित किये जाने हेतु माननीय कुलपति महोदय से विचारार्थ अनुरोध किये जाने का निश्चय किया गया।


बैठक अन्त में अध्यक्ष महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के उपरान्त समाप्त हुई।



20.10.14
(डा० गोविन्द पाण्डेय)
संयोजक


(के० पी० सिंह)
सदस्य


(डा० उदय शंकर)
सदस्य


20/10/14
(प्रो० के० जी० उपाध्याय)
सदस्य


(प्रो० बी० एस० राय)
सदस्य

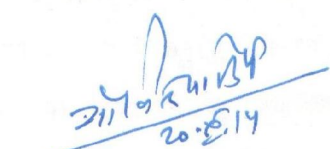

(डा० डी० के० सिंह)
अध्यक्ष
पर्यावरणीय परामर्शदात्री समिति

पृ०सं०/मा०प्रौ०वि०/पपस/ ~~सं०~~ /2014

दिनांक: 20 अक्टूबर, 20014

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. वै०स०, कुलपति को माननीय कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. कुलसचिव
3. समिति के माननीय अध्यक्ष एवं सम्मानित सदस्यगण।


20.10.14
(डा० गोविन्द पाण्डेय)
संयोजक
पर्यावरणीय परामर्शदात्री समिति